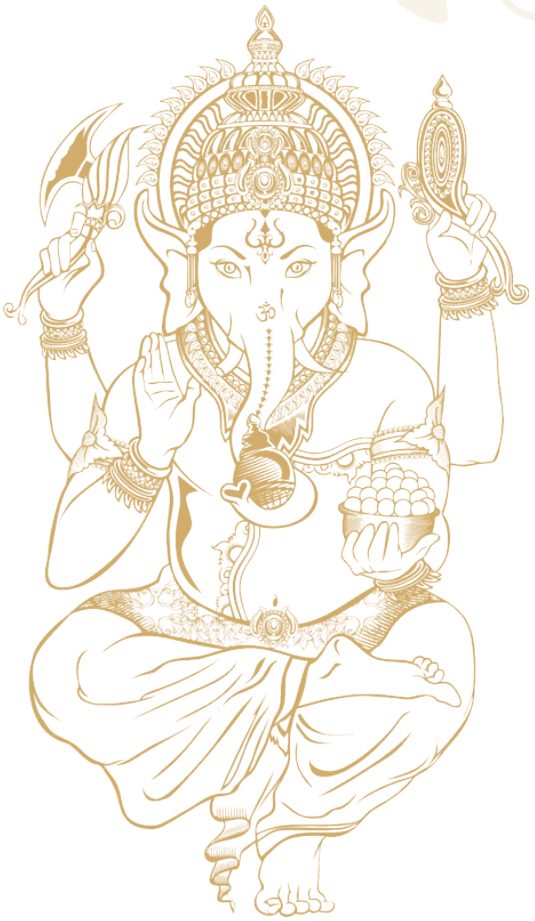

Girish Yukta

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121071808

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/12/1999	जन्म तिथि	09/08/2000
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 18:58:00	जन्म समय	14:35:00 घंटे
घटी 29:25:05	जन्म समय(घटी)	21:18:09 घटी
India	देश	India
Beawar	स्थान	Baran
26:02:00 उत्तर	अक्षांश	25:08:00 उत्तर
74:02:00 पूर्व	रेखांश	76:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:33:52	स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:58	सूर्योदय	05:54:46
17:43:45	सूर्यास्त	19:02:53
23:51:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:41

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 4वर्ष 3मा 7दि	15:12:46	मिथु	लग्न	वृश्चि	17:40:11	बुध 13वर्ष 4मा 22दि
गुरु	27:13:58	वृश्चि	सूर्य	कर्क	23:13:01	शुक्र
22/03/2022	28:31:49	मक	चंद्र	वृश्चि	19:29:42	31/12/2020
22/03/2038	19:26:10	मक	मंगल	कर्क	11:30:53	31/12/2040
गुरु 09/05/2024	09:35:46	वृश्चि	बुध	कर्क	10:03:54	शुक्र 01/05/2025
शनि 20/11/2026	01:14:40	मेष व	गुरु	वृष	13:22:19	सूर्य 02/05/2025
बुध 25/02/2029	15:04:14	तुला	शुक्र	सिंह	09:23:38	चन्द्र 31/12/2026
केतु 01/02/2030	17:13:48	मेष व	शनि	वृष	06:05:49	मंगल 02/03/2028
शुक्र 02/10/2032	10:33:20	कर्क	राहु	कर्क	00:37:50	राहु 02/03/2031
सूर्य 21/07/2033	10:33:20	मक	केतु	मक	00:37:50	गुरु 31/10/2033
चन्द्र 20/11/2034	20:05:35	मक	हर्ष व	मक	25:03:30	शनि 31/12/2036
मंगल 27/10/2035	08:42:47	मक	नेप व	मक	10:58:58	बुध 01/11/2039
राहु 22/03/2038	16:54:01	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:19:36	केतु 31/12/2040

लग्न-चलित

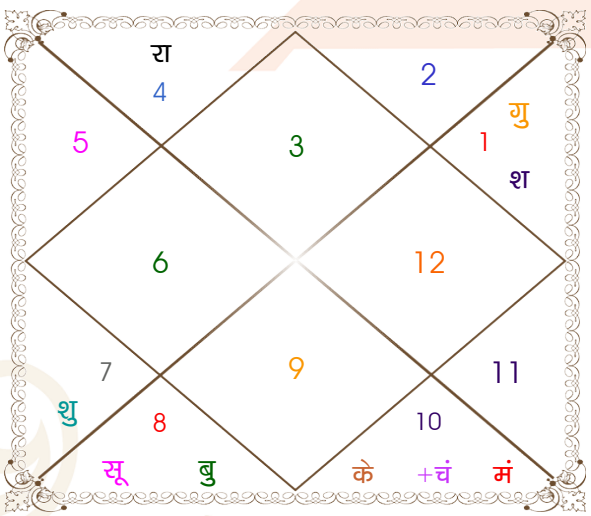

लग्न-चलित

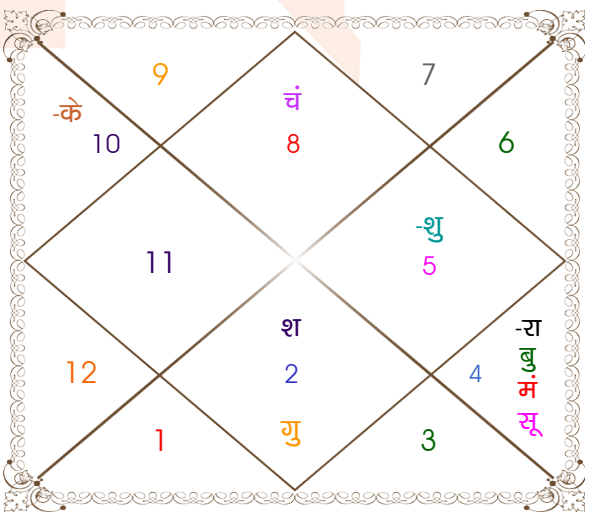

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

Girish का वर्ग मार्जार है तथा ल्नाजं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Girish और ल्नाजं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Girish मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Girish कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Girish कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ल्नाजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Girish तथा ल्नाजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।